

हुकम या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज

27-1-21

नम्बर व तारीख
अहकाम जो इस
हुकम की तामील
में जारी हुए

पञ्जाब-विद्यालय-वकील-प्रति -
उक्त-नम्बर-प्रति-का-प्र-प-क-
फिर-न-ज-र-बा-र-128-के-दि-वा-र-
दि-मा-म-वा-र-वि-द-वि-वि-वि-वि-वि-वि-
ले-वि-वि-वि-वि-वि-वि-वि-वि-वि-वि-
श-मि-म-वि-म-म-म-म-म-म-म-म-
त-र-र-र-र-र-र-र-र-र-र-र-र-
शु-म-र-र-र-र-र-र-र-र-र-र-र-र-

सहायक कलेक्टर
(S.D.O.) खीवस

अप्रार्थीगण संख्या 1 से 3 के नोटिस बाद तामिल बावजूद अनुपस्थित रहे तथा अप्रार्थी संख्या 1 नोटिस दिनांक 13.10.2020 को जरिये रजिस्टर्ड मेजने के बावजूद आज दिनांक तक अप्रार्थी 04 न्यायालय में उपस्थित नहीं होने से अप्रार्थी संख्या 1 से 4 के विस्तृत एक पक्षीय कार्यवाही में लाई जाती है। वकील प्रार्थीगण ने निवेदन किया की अगर इस समय प्रार्थीगण के खेतों पत्थर गढी नहीं होती है तो फिर बरसात का समय आ जायेगा और फिर एक वर्ष तक हमें गढी का इंतजार करना पड़ेगा। इसलिए श्रीमानजी से निवेदन है की इन खेताय का वर्षा से नापचौक व पत्थरगढी करवाने का श्रम करावें।

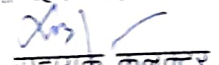
वकील प्रार्थीगण की एक पक्षीय बहस सुनी गई। और पत्रावली पर मौजूद रिकॉर्ड का किन किया गया। प्रार्थीगण के कथनानुसार प्रार्थीगण के खेतों का सीमाज्ञान हो चुका है नगर गढी नहीं होने से पक्षकारान के मध्य विवाद ज्यों का त्यों बना हुआ है। पत्रावली पर मौजूद से प्रार्थीगण उक्त खसरान का रिकॉर्ड खातेदार है और Rajasthan Land Revenue Act की धारा 128 सपठित धारा 111 (Raj. Land Rev. Act) एवं Rule 34 Raj. Land Rev. (1 Record Rules) 1957 के अनुसार खातेदार अथवा गैर खातेदार कास्तकार अपने खेताय का कन करवाकर सीमा चिन्ह स्थापित करवा सकता है। तथा सीमाज्ञान हो जाने से अपनी आराजी डोसीयों से रोज रोज के विवाद से भी नीजात मिल जायेगी। दोनों पक्षों में नाटों को लेकर रोज के विवाद भी नहीं होगा। अतः शांति व्यवस्था बनाये रखने हेतु एवं उक्त सनी समस्याओं का करण हेतु प्रार्थीगण का प्रा.पत्र स्वीकार कर विवादग्रस्त नाटों का सीमाज्ञान करवाकर पत्थर गढी ना मेरी राय में उचित है।

अतः पत्रावली पर मौजूद रिकॉर्ड एवं बहस के आधार पर प्रार्थीगण का प्रा.पत्र स्वीकार किया है तथा तहसीलदार खीवसर को यह आदेश दिया जाता है की :-


आदेश

अतः तहसीलदार खीवसर को आदेश दिया जाता है की नियमानुसार सीमांकन एवं पत्थरगढी प्रार्थी से फिस जमा करवाई जाकर मौजा करणू के खेत ख.न. 870/605 रकबा 20.00 बीघा के की सीव माट का एवं नक्शा रिकार्ड अनुसार सीमांकन कर पत्थरगढी की जाने के आदेश दिये है।

नोट उक्तरोक्त खसरान पर किसी भी अन्य न्यायालय का स्थगन आदेश नहीं हो तो इस आदेश की पालना की। उक्त आराजी किसी भी बैंक में रहन हो तो रहन ब्यावत रहेगा। पक्षकारान अपना अपना खर्चा वहन करे।


सहायक कलक्टर
खीवसर

यह आदेश आज दिनांक 27.1.21 को सरे इजलास सुनाया गया।


सहायक कलक्टर
खीवसर